Qualitative Correlation

जब दो चरों या दो परीक्षणों पर प्राप्तांकों के के बीच सह संबंध को किसी खास गुण के आधार पर व्यक्त किया जाता है, तब इस प्रकार के संबंध को गुणात्मक सहसंबंध कहते हैं। Pearson ने दो चर मूल्यों के परिवर्तन - अनुपात की नियमितता के आधार पर सरल एवं वक्ररेखीय सहसंबंध का उल्लेख किया है। Qualitative correlation की अभिव्यक्ति इसके प्रकार से अधिक स्पष्ट होता है।

1. रेखीय सहसंबंध (Linear Correlation) - जब दो चरों में एक चर

Scanned with CamScanner

मूल्यों में जिस अनुपात में वृद्धि या कमी होती है, लगभग उसी अनुपात में दूसरे चर-मूल्य में वृद्धि या कमी होती है, अर्थात दोनों चर मूल्यों के मध्य परिवर्तन के अनुपात की नियमितता पाई जाती है. तो इस प्रकार के सहसंबंध को linear correlation कहते है। कहने का अर्थ यह है कि यदि दो चरों या मूल्यों के मध्य परिवर्तन की दिशा लगभग समान होती है. तो उनमें रेखीय सहसंबंध होगा। इस प्रकार के सह संबंध में अंकगणितीय वृद्धि झलकती है जो धनात्मक तथा ऋणात्मक हो सकता है। ऐसे दो चर-मूल्यों को यदि रेखांकित किया जाए तो यह लगभग एक सीधी रेखा के रूप में होता है।

Scanned with CamScanner

ऐसे सह संबंध को रेखीय सहसंबंध कहते हैं।

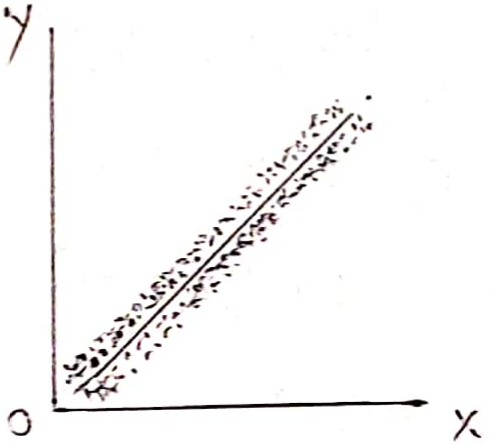

2. अरेखीय या वक्र रेखीय सहसंबंध- अरेखीय सहसंबंध को वक्र रेखीय सहसंबंध भी कहा जाता है। Reher, 1987; के अनुसार "कभी-कभी अरेखीय सहसंबंध को Skewness correlation भी कहा जाता है। जब दो चरों के बीच रेखीय सहसंबंध नहीं होता है तो इसे अरेखीय सहसंबंध कहा जाता है। अरेखीय सहसंबंध का अनुमान सहसंबंध अनुपात से ~~लगाया~~ लगाया जाता है। इस अनुपात से पता चल जाता है कि किस मात्रा में कोई सहसंबंध अरेखीय है।

Scanned with CamScanner

अरेखीय सहसंबंध में एक चर के बढ़ने पर दूसरा चर कुछ सीमा तक बढ़ता है और फिर घटने पर दूसरा चर कुछ सीमा तक घट सकता है और फिर बढ़ सकता है, जबकि पहला चर घटता ही जाता है। इस प्रकार के सहसंबंध को निकालने या मापने के लिए Pearson method अथवा उस पर आधारित विधियाँ उपयुक्त नहीं है।

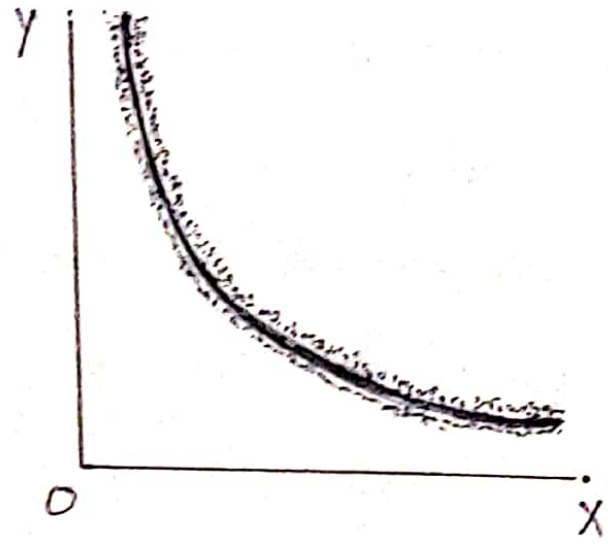

3. सरल, आंशिक अथवा बहुगुणी सह संबंध (Simple, Partial or multiple correlation) — स्वतंत्र एवं आश्रित चर-मूल्यों की संख्या तथा

Scanned with CamScanner

सहसंबंध ज्ञात करने में निहित तकनीक के आधार पर सहसंबंध सरल, आंशिक अथवा बहुगुणी प्रकार का होता है। दो चर-मूल्यों के सहसंबंध को सरल सहसंबंध कहते है। इनमें से एक श्रेणी, जिसे आधार श्रेणी कहते है, के चर-मूल्य स्वतंत्र चर होते है, तथा दूसरी श्रेणी, जिसे संबद्ध श्रेणी कहते है, के चर-मूल्य आश्रित होते है। आंशिक सहसंबंध में दो चर-मूल्यों में एक अन्य स्वतंत्र चर-मूल्य का समावेश करके सहसंबंध ज्ञात किया जाता है। बहुगुणी सहसंबंध में दो से अधिक चर मूल्यों के मध्य पारस्परिक सहसंबंध का अध्ययन किया जाता है। उदाहरणार्थ, कृषि उपज, वर्षा, प्रयुक्त खाद तथा बीज के परिणामों के मध्य सह संबंध बहुगुणी सहसंबंध कहलाता है।

Dr. Om Prakash Keshri
P.G. Deptt. of Psychology
Maharaja College, ARA.

Scanned with CamScanner